Downloaded from www.studiestoday.com

दिल्ली पब्लिक स्कूल, जम्मू

कक्षा : दसवीं **विषय : हिन्दी**

पाठ्यक्रम :– मीरा के पद, तताँरा–वामीरो कथा, तीसरी कसम के शिल्पकार–शैलेंद्र, शब्द और पद, संवाद, पत्र, अनुच्छेद।

प्र1) मोर मुगट पीताम्बर सोहे, गल बैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बणाव बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण दीज्यो जमुना जी रे तीरां।
मीरा रा पभु गिरधर नागर हिवड़ो घणो अधीराँ।।

क) कवि तथा कविता का नाम लिखिए।
ख) मीरा ऊँचे–ऊँचे महलों के बीच–बीच में 'बारी' क्यों बनाना चाहती हैं?
ग) मीरा के अपनी किस स्थिति का वर्णन किया है?

प्र2) वामीरो और तताँरा परस्पर मिलने पर निःशब्द क्यों रह गए?

प्र3) व्यथा आदमी को पराजित नहीं करती उसे आगे बढ़ने का संदेश देती है– आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र4) मीरा की भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

प्र5) 'हरिहर काका' कहानी में पारिवारिक व धार्मिक पाखण्ड की झलक मिलती है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

प्र6) शब्द और पद में अंतर उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

प्र7) पद के कितने और कौन–कौन से भेद हैं?

प्र8) एक डॉक्टर और रोगी के बीच शाकाहारी की पौष्टिकता के विषय में हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।

प्र9) महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा चलाए जा रहे आत्मरक्षा के प्रशिक्षण अभियान की सराहना करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखिए।

प्र10) भारत के राष्ट्रीय पर्व (अनुच्छेद लेखन)

<u>संकेत बिंदु :–</u>

जीवन में पर्वों का महत्त्व , हमारे पर्व – स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि, हमारे पर्व – स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि ,पर्वों का संदेश ,पर्वों को मनाने का ढंग।

प्र11) मुहावरों के वाक्य इस प्रकार बनाइए कि अर्थ स्पष्ट हो जाएः–

1. एक हो राग अलापना
2. हावी होना
3. तराजू पर तौलना

Downloaded from www.studiestoday.com